GOSWAMI TULSIDAS · GITA PRESS READING

श्री हनुमान चालीसा

Devanagari text with the meaning of every line in Hindi and English.

दोहा 1

श्रीगुरु चरन सरोज रज निज मनु मुकुरु सुधारि ।
बरनउँ रघुबर बिमल जसु जो दायकु फल चारि ॥

गुरु के चरण-कमलों की धूल से अपने मन का दर्पण साफ़ करके मैं श्रीराम का निर्मल यश गाता हूँ, जो धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष, चारों फल देता है।

With the dust of my guru's lotus feet I polish the mirror of my mind. Then I sing the spotless glory of Rama, best of the Raghus, which gives all four fruits of life: dharma, wealth, fulfilment and freedom.

दोहा 2

बुद्धिहीन तनु जानिके सुमिरौं पवन-कुमार ।
बल बुधि बिद्या देहु मोहिं हरहु कलेस बिकार ॥

खुद को बुद्धिहीन जानकर मैं पवनपुत्र हनुमान जी को याद करता हूँ। मुझे बल, बुद्धि और विद्या दीजिए, और मेरे क्लेश और मन के दोष दूर कीजिए।

Knowing myself to be short of understanding, I call to mind Hanuman, son of the Wind. Give me strength, understanding and knowledge, and take away my troubles and my faults.

चौपाई 1

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर ।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर ॥

ज्ञान और गुणों के सागर हनुमान जी की जय हो। तीनों लोकों में उजाला करने वाले वानरराज की जय हो।

Victory to Hanuman, ocean of wisdom and virtue. Victory to the lord of the vanaras, whose glory lights up the three worlds.

चौपाई 2

राम दूत अतुलित बल धामा ।
अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा ॥

आप श्रीराम के दूत हैं और अपार बल के धाम हैं। आपको अंजनीपुत्र और पवनपुत्र के नाम से जाना जाता है।

You are Rama's messenger, the home of strength beyond measure. You are known as Anjani's son and as the son of the Wind.

चौपाई 3

महाबीर बिक्रम बजरंगी ।
कुमति निवार सुमति के संगी ॥

आप महावीर हैं, पराक्रमी हैं, आपका शरीर वज्र जैसा है। आप बुरी सोच दूर करते हैं और अच्छी सोच के साथी हैं।

Great hero, valiant, with a body as strong as the thunderbolt, you clear away bad thinking and stay beside good sense.

चौपाई 4

कंचन बरन बिराज सुबेसा ।
कानन कुंडल कुंचित केसा ॥

आपका रंग सोने जैसा है और वेश सुंदर है। कानों में कुंडल हैं और बाल घुँघराले हैं।

Your colour is gold and your dress is fine. Rings shine in your ears and your hair is curled.

चौपाई 5

हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै ।
काँधे मूँज जनेऊ साजै ॥

आपके हाथों में वज्र और ध्वजा शोभा देते हैं, और कंधे पर मूँज का जनेऊ सजा है।

In your hands shine the thunderbolt and the flag. A sacred thread of munja grass sits on your shoulder.

चौपाई 6

संकर सुवन केसरीनंदन ।
तेज प्रताप महा जग बंदन ॥

आप शंकर के अंश और केसरी के पुत्र हैं। आपका तेज और प्रताप महान है, सारा जगत आपको प्रणाम करता है।

You come from Shiva and are the son of Kesari. Your radiance and might are vast, and the whole world bows to you.

चौपाई 7

बिद्यावान गुनी अति चातुर ।
राम काज करिबे को आतुर ॥

आप विद्वान हैं, गुणी हैं, बहुत चतुर हैं, और श्रीराम का काम करने को हमेशा तत्पर रहते हैं।

Learned, full of virtue and very wise, you are always eager to do Rama's work.

चौपाई 8

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया ।
राम लखन सीता मन बसिया ॥

प्रभु की कथा सुनने में आपको आनंद आता है। श्रीराम, लक्ष्मण और सीता आपके मन में बसते हैं।

You love to hear the Lord's story. Rama, Lakshmana and Sita live in your heart.

चौपाई 9

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा ।
बिकट रूप धरि लंक जरावा ॥

आपने छोटा रूप लेकर सीता जी को दर्शन दिए, और विकराल रूप लेकर लंका जला दी।

Taking a tiny form, you showed yourself to Sita. Taking a fearsome form, you set Lanka on fire.

चौपाई 10

भीम रूप धरि असुर सँहारे ।
रामचंद्र के काज सँवारे ॥

आपने भयंकर रूप लेकर राक्षसों का संहार किया और श्रीरामचंद्र के काम पूरे किए।

Taking a terrible form, you destroyed the asuras and carried Rama's work through.

चौपाई 11

लाय सजीवन लखन जियाये ।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये ॥

आपने संजीवनी लाकर लक्ष्मण जी के प्राण बचाए, और श्रीराम ने खुश होकर आपको गले लगा लिया।

You brought the sanjivani herb and revived Lakshmana. Rama, hero of the Raghus, held you to his heart with joy.

चौपाई 12

रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई ।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ॥

श्रीराम ने आपकी बहुत प्रशंसा की और कहा, तुम मुझे भरत जैसे प्यारे भाई हो।

Rama, lord of the Raghus, praised you greatly: "You are as dear to me as my brother Bharata."

चौपाई 13

सहस बदन तुम्हरो जस गावैं ।
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं ॥

हज़ार मुखों वाले शेषनाग तुम्हारा यश गाएँ, यह कहकर श्रीराम ने आपको गले लगा लिया।

"May the thousand-mouthed Shesha sing your glory," said Rama, lord of Shri, and he held you close.

चौपाई 14

सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा ।
नारद सारद सहित अहीसा ॥

सनक आदि ऋषि, ब्रह्मा आदि देवता, बड़े-बड़े मुनि, नारद, सरस्वती और शेषनाग भी,

Sanaka and his brothers, Brahma and the gods, the great sages, Narada and Saraswati, with Shesha, lord of serpents,

चौपाई 15

जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते ।
कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते ॥

यम, कुबेर और दिशाओं के रक्षक भी आपका यश पूरा नहीं कह पाते, तो कवि और विद्वान कैसे कहें।

Yama, Kubera and the guardians of the directions cannot tell your glory in full. How could poets and scholars?

चौपाई 16

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा ।
राम मिलाय राज पद दीन्हा ॥

आपने सुग्रीव पर उपकार किया। उन्हें श्रीराम से मिलाया और राजपद दिलाया।

You did Sugriva a great kindness. You brought him to Rama and gave him back his kingdom.

चौपाई 17

तुम्हरो मंत्र बिभीषन माना ।
लंकेस्वर भए सब जग जाना ॥

विभीषण ने आपकी सलाह मानी और लंका के राजा बने, यह सारा संसार जानता है।

Vibhishana took your counsel and became king of Lanka, as the whole world knows.

चौपाई 18

जुग सहस्र जोजन पर भानू ।
लील्यो ताहि मधुर फल जानू ॥

हज़ारों योजन दूर के सूरज को आपने मीठा फल समझकर निगल लिया।

The sun stood thousands upon thousands of yojanas away, and you swallowed it, taking it for a sweet fruit.

चौपाई 19

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं ।
जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं ॥

प्रभु की अँगूठी मुँह में रखकर आपने समुद्र लाँघ लिया, इसमें कोई अचरज नहीं।

With the Lord's ring in your mouth you leapt over the ocean. That is no wonder.

चौपाई 20

दुर्गम काज जगत के जेते ।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ॥

संसार के जितने भी कठिन काम हैं, आपकी कृपा से सब आसान हो जाते हैं।

However many hard tasks there are in the world, your grace makes every one of them easy.

चौपाई 21

राम दुआरे तुम रखवारे ।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे ॥

आप श्रीराम के द्वार के रखवाले हैं। आपकी आज्ञा के बिना कोई भीतर नहीं जा सकता।

You guard Rama's door. No one enters without your leave.

चौपाई 22

सब सुख लहै तुम्हारी सरना ।
तुम रच्छक काहू को डर ना ॥

जो आपकी शरण में आता है, उसे सब सुख मिलते हैं। आप रक्षक हों तो किसी का डर नहीं।

Whoever takes refuge in you finds every happiness. With you as protector, there is nothing to fear.

चौपाई 23

आपन तेज सम्हारो आपै ।
तीनों लोक हाँक तें काँपै ॥

अपने तेज को आप ही सँभाल सकते हैं। आपकी एक हुंकार से तीनों लोक काँप उठते हैं।

Only you can hold your own power. At your roar the three worlds tremble.

चौपाई 24

भूत पिसाच निकट नहिं आवै ।
महाबीर जब नाम सुनावै ॥

जब कोई महावीर का नाम लेता है, तो भूत-पिशाच पास नहीं आते।

Ghosts and evil spirits do not come near when someone speaks the name of the great hero.

चौपाई 25

नासै रोग हरै सब पीरा ।
जपत निरंतर हनुमत बीरा ॥

वीर हनुमान का नाम लगातार जपने से रोग मिटते हैं और सारी पीड़ा दूर होती है।

Illness is destroyed and every pain taken away for one who repeats the name of brave Hanuman without a break.

चौपाई 26

संकट तें हनुमान छुड़ावै ।
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ॥

जो मन, कर्म और वचन से हनुमान जी का ध्यान करता है, हनुमान जी उसे संकट से छुड़ाते हैं।

Hanuman frees from trouble whoever keeps him in mind, in thought, in deed and in word.

चौपाई 27

सब पर राम तपस्वी राजा ।
तिन के काज सकल तुम साजा ॥

तपस्वी राजा श्रीराम सबसे ऊपर हैं, और उनके सारे काम आपने ही पूरे किए।

Rama, the ascetic king, is above all, and you carried out every one of his tasks.

चौपाई 28

और मनोरथ जो कोइ लावै ।
सोइ अमित जीवन फल पावै ॥

जो कोई भी आपके पास कोई और इच्छा लेकर आता है, वह उसे पाता है, और साथ में जीवन का असीम फल भी।

Whoever brings you any other wish receives it, and with it the boundless fruit of life.

चौपाई 29

चारों जुग परताप तुम्हारा ।
है परसिद्ध जगत उजियारा ॥

चारों युगों में आपका प्रताप है। आपकी कीर्ति से सारा जगत उजला है।

Your glory runs through all four ages, and its fame lights up the world.

चौपाई 30

साधु संत के तुम रखवारे ।
असुर निकंदन राम दुलारे ॥

आप साधु-संतों के रखवाले हैं, राक्षसों का नाश करने वाले हैं, और श्रीराम के दुलारे हैं।

You protect the good and the saints. You destroy the asuras, and Rama holds you dear.

चौपाई 31

अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता ।
अस बर दीन जानकी माता ॥

आप आठ सिद्धियाँ और नौ निधियाँ देने वाले हैं। माता जानकी ने आपको यह वरदान दिया है।

You can give the eight siddhis and the nine treasures. Mother Janaki gave you this boon.

चौपाई 32

राम रसायन तुम्हरे पासा ।
सदा रहो रघुपति के दासा ॥

राम-भक्ति का रसायन आपके पास है, और आप सदा श्रीराम के सेवक बने रहते हैं।

You hold the elixir of devotion to Rama, and you remain forever the servant of the lord of the Raghus.

चौपाई 33

तुम्हरे भजन राम को पावै ।
जनम जनम के दुख बिसरावै ॥

आपका भजन करके मनुष्य श्रीराम को पाता है और जन्म-जन्म के दुख भूल जाता है।

By singing of you a person reaches Rama and leaves behind the sorrows of birth after birth.

चौपाई 34

अंत काल रघुबर पुर जाई ।
जहाँ जन्म हरि-भक्त कहाई ॥

अंत समय में वह श्रीराम के धाम जाता है, और जहाँ भी जन्म ले, हरिभक्त कहलाता है।

At the end that person goes to Rama's abode, and wherever they are born again they are known as a devotee of Hari.

चौपाई 35

और देवता चित्त न धरई ।
हनुमत सेइ सर्ब सुख करई ॥

किसी और देवता को मन में न भी रखे, तो भी हनुमान जी की सेवा से सब सुख मिलते हैं।

Even one who keeps no other deity in mind finds every happiness by serving Hanuman.

चौपाई 36

संकट कटै मिटै सब पीरा ।
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा ॥

जो बलवीर हनुमान जी को याद करता है, उसके संकट कट जाते हैं और सारी पीड़ा मिट जाती है।

Troubles are cut away and all pain ends for whoever remembers Hanuman, the strong hero.

चौपाई 37

जै जै जै हनुमान गोसाईं ।
कृपा करहु गुरु देव की नाईं ॥

हे स्वामी हनुमान जी, आपकी जय हो, जय हो, जय हो। गुरु की तरह मुझ पर कृपा कीजिए।

Victory, victory, victory to you, Hanuman, my master. Be kind to me as a guru is kind.

चौपाई 38

जो सत बार पाठ कर कोई ।
छूटहि बंदि महा सुख होई ॥

जो कोई इसका सौ बार पाठ करे, वह बंधनों से छूट जाता है और उसे बड़ा सुख मिलता है।

Whoever recites this a hundred times is freed from bondage and finds great joy.

चौपाई 39

जो यह पढ़ै हनुमान चलीसा ।
होय सिद्धि साखी गौरीसा ॥

जो यह हनुमान चालीसा पढ़ता है, उसे सिद्धि मिलती है। इसके साक्षी स्वयं गौरीपति शिव हैं।

Whoever reads this Hanuman Chalisa gains fulfilment. Shiva, lord of Gauri, is witness.

चौपाई 40

तुलसीदास सदा हरि चेरा ।
कीजै नाथ हृदय महँ डेरा ॥

तुलसीदास सदा हरि के सेवक हैं। हे नाथ, मेरे हृदय में अपना डेरा बनाइए।

Tulsidas is forever Hari's servant. Lord, make your home in my heart.

अंतिम दोहा

पवनतनय संकट हरन मंगल मूरति रूप ।
राम लखन सीता सहित हृदय बसहु सुर भूप ॥

हे पवनपुत्र, संकट हरने वाले, मंगल की मूर्ति, हे देवताओं के राजा, आप श्रीराम, लक्ष्मण और सीता के साथ मेरे हृदय में बसिए।

Son of the Wind, remover of trouble, whose very form is blessing: king among the gods, live in my heart with Rama, Lakshmana and Sita.

Awadhi text: Goswami Tulsidas, in the Gita Press, Gorakhpur reading, checked against three Gita Press printings and Jagadguru Rambhadracharya's Mahaviri. Meanings: Wisdom's own words, following the traditional reading.

Word-by-word meaning of every line, a learn-by-heart mode and a recitation counter: wisdomquotes.in/hanuman-chalisa